अनुक्रमणिका

अध्याय : प्रथम

थारु जनजाति का अध्ययन और शोध प्रविधि1-10

1.1 भूमिका

1.2शोध प्रविधि और तकनीक

1.2.1Research Problem(शोध समस्या)

1.2.2 शोध प्रश्न (Research Question

1.2.3 उद्देश्य (Objectives)

1.2.4 प्रविधि (Research Methodology)

1.2.5 शोध प्ररचना (Research Design)

1.2.6 शोध का अध्ययन क्षेत्र :-

1.2.7 निदर्शन (Sampling)

1.3 तथ्य संकलन की विधि एवं तकनीक

1.3.1 विधि (Method)

1.3.2 तकनीक व यंत्र (Tool &Techniques)

1.3.3 तथ्य संकलन के स्रोत (Source Of Data Collection)

1.3.4 विश्लेषण (Analysis)

1.3.5 लेखन पद्धति (Report Writing)

अध्याय : द्वितीय

जनजाति और थारू जनजाति कि शोध के वर्त्तमान दशा 11-38

2. जनजाति (Tribe)

2.1.1 भारतमेंजनजाति-समाजकीविशेषताएं

2.1.2 भारतीयजनजातियोंकीसमस्याएं

2.1.3 जनजातियएकीकरणऔरइनकीकुछसमस्याएं

2.1.4 कुछसामाजिकमनोवैज्ञानिकस्वरूपकेउभरतेप्रतिमान

2.1.5 भारतमेंजनजातिअध्ययनकेकुछउपागम
2.1.6 थारूजनजातिकीऐतिहासिकपृष्ठभूमि
2.2 अवधारणात्मक व्याख्या, साहित्य सर्वेक्षण एवं ज्ञान की वेर्तमान दशा
2.2.1 जनजाति की अवधारणा
2.2.2 साहित्य सर्वेक्षण एवं ज्ञान कि वर्तमान दशा

अध्याय : तृतीय

थारू जनजाति का अध्ययन 39-49
3.1 थारू जनजाति का परिचय
3.2 परिचय :-
3.3 पर्व और धार्मिक कर्मकांड:-
3.4 जनजातीय मापदंड :-

अध्याय : चतुर्थ

थारू जनजाति का ऐतिहासिक अध्ययन50-56
4.1 थारू जनजाति की उत्पत्ति
4.2 थारू जनजाति का ऐतिहासिक अवधारणा

अध्याय : पंचम

थारू जनजाति का सांस्कृतिक अध्ययन 57-76

5.1 थारू जनजाति के सामाजिक-सांस्कृतिक संस्कार
5.1.1 जन्म संस्कार
5.1.2 विवाह संस्करण:-
5.2 थारू जीवन के धार्मिक-सांस्कृतिक आयाम
5.2.1 थारू देवी-देवता
5.2.2 परिवारिक तथा ग्राम देवी-देवता:-
5.2.3 थारू पर्व त्यौहार
5.3 थारू जीवन के सामाजिक आयाम

5.4 थारूओं की सामाजिक संस्थाँए एवं व्यवस्थाएँ
5.5 थारू आकृति, वेष -भूषा एवं श्रृगांर
5.6 थारू भाषा, साहित्य एवं नृत्य-गीत

अध्याय :- षष्ठम

थारू समुदाय की समस्या एवं समाधान तथा निष्कर्ष एवं सुझाव 85-97
6.1. समस्याएं
6.2. समाधान
6.3 निष्कर्ष

परिशिष्ठ 104-112